Thali Bharke Lai Re Khichado | By Mukesh Bagda

कर्मा बेटी जाट की थी भोली नादान
भगता की पात राख ली म्हारा खाटू वाला श्याम

थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो ऊपर घी की बाटकी
जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की
जिमावे बेटी जाट की .....
थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो .....

बाबो म्हारो गाँव गयो है ना जाने कद आवेलो
ऊके भरोसे बैठो रयो तो भूखो ही रह जावेलो
आज जिमाऊ तन्ने खीचड़ो काल राबड़ी घाट की
जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की
जिमावे बेटी जाट की .....
थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो .....

बार बार मंदिर ने जुड़ती बार बार मैं खोलती
कैया कोणी जीमे रे मोहन करड़ी करड़ी बोलती
तू जीमे तो जद मैं जीमु मानु ना कोई लाटकी
जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की
जिमावे बेटी जाट की .....
थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो .....

पर्दो भूल गई सांवरिया पर्दो फेर लगायो जी
घावलिये की ओट बैठ कर श्याम खीचड़ो खायो जी
भोला भाला भगता सु सांवरिया कैया आटकी
जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की
जिमावे बेटी जाट की .....
थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो .....

भक्ति हो तो कर्मा जैसी सांवरियो घर आवेलो
सोहन लाल लोहाकार प्रभु का हर्ष हर्ष गुण जावेलो
सांचो प्रेम प्रभु से हो तो मूरत बोले काठ की
जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की
जिमावे बेटी जाट की .....
थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/thali-bharke-lai-re-khichado-by-mukesh-bagda/